CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

invites all its students for

MOTIVATION AND ORIENTATION
FOR PREPARATION FOR COMPETITIVE EXAMINATIONS
FOR ENTRY INTO SERVICES (IAS/PCS/SSC/BANKING)

9TH DECEMBER, 2020 at **11:00 AM**

Smart Classroom, UIET-4, CSJMU, Kanpur

FREE COACHING CLASSES

PRESIDED BY

Prof. Neelima Gupta

Hon'ble Vice-Chancellor,
CSJMU Kanpur

ORGANIZED BY

Academic Development Cell (ADC)

CSJMU, Kanpur

AVAIL THE BENEFITS

INTERACT LIVE WITH COACHES

REASONING/ENGLISH/IAS/PCS

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में छात्रों के ओरियंटेशन एवं मोटिवेशन प्रोग्राम का शुभआरम्भ कुलपति प्रो0 नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया।

इस प्रोग्राम में छात्रो के भविष्य की कैरियर सम्बन्धित प्रतियोगितायें जैसे आई0ए0एस0, पी0सी0एस0, बैकिंग आदि परीक्षाओं की तैयारी किस प्रकार से करनी है इस पर छात्रो के हित को ध्यान में रखते हुये निःशुल्क कोंचिग की व्यवस्था विश्वविद्यालय प्रांगण में सभी छात्रो के लिये की गयी है। इस अवसर पर माननीया कुलपति महोदया ने छात्रो को बताया की किसी भी कठिन परिस्थति में विषय से पलायन करना उचित नहीं है। और उस समय छोड़ देना उचित नहीं है। माननीया कुलपति महोदया द्वारा उनके व्याख्यान में दो तरह के विचार बताये एक मैं कर सकता हूँ। दूसरा मैं करूगां। और उन्होन कहा कि छात्रो में नहीं सीखने की धारणा नहीं होनी चाहिए एवं उनके माता – पिता भी गुरू की भूमिका निभाते हैं। कुलपति महोदया ने इन सभी एकटिविटज हेतु छात्रों की जरूरतों को विश्वविद्यालय को सूचित करने के लिये कहा जिससे कि भविष्य में विश्वविद्यालय छात्रहित में और कार्य कर सकें। और इस सभी जानकारीयो को लिंक के माध्यम से विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिये भी निर्देश दिये। जिसमें कि वो अपने विषय की चर्चा उनसे कर सकते हैं। डीन अकदिमक प्रो0 संजय स्वर्णकार ने बताया कि हर छात्र के अन्दर ईश्वर ने प्रत्येक व्यक्ति को ऊर्जा एवं क्षमता प्रदान की है जिसके माध्यम से वो अपने अधिष्ठ लक्ष्य तक पहुँच सकता है।

अब निःशुल्क कोचिंग पढ़ कर बन सकेगें आईएएस-पीसीएस

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में गुरुवार को भविष्य की कैरियर से संबंधित आईएएस, पीसीएस और बैंकिंग जैसी प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए छात्र हित को ध्यान में रखते हुए निशुल्क कोचिंग की व्यवस्था विश्वविद्यालय प्रांगण में की गई जिसके लिए विश्वविद्यालय में छात्रों के ओरियंटेशन एवं मोटिवेशन प्रोग्राम का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने छात्रों को बताया कि किसी भी कठिन परिस्थिति में विषय से पलायन करना या उसे छोड़ देना सही नहीं है। मैं कर सकता हूं और मैं करूंगा जैसा विचार हमें अपने मन में रखते हुए माता पिता को भी गुरु मानना चाहिए। कुलसचिव डॉ.अनिल कुमार यादव ने छात्रों को समय प्रबंधन और नोट्स की अहमियत बताई। डीन छात्र कल्याण प्रो.अंशु यादव ने छात्रों को लाइब्रेरी की उपयोगिता तथा शिक्षक अतुल कुमार ने सरकारी नौकरियां और उनसे संबंधित जानकारी देते हुए छात्रों को बताया कि सोने से पहले अपनी डायरी में 24 घंटे का आउटपुट लिखना चाहिए जिससे हम अपने 24 घंटों में किए गए कार्य का आकलन कर सके। डॉ.अनुपम यादव ने छात्रों को परीक्षा का विश्लेषण करने के लिए कहा जिससे वह अपनी कमजोरी और सामर्थ्य का पता लगा सके। उन्होंने कहा कि हास्य परिहास के लिए परीक्षा ना देकर हमे अपनी पूरी तैयारी के साथ परीक्षा देनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर वर्षा गुप्ता ने किया। इस अवसर पर डॉ. संदीप सिंह, डॉ. आर. एन. कटियार, डॉ.राशि अग्रवाल, डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा, डॉ. निशा शर्मा, डॉ.वी पी.सिंह, डॉ. विशाल चंद्र, डॉ.विवेक सचान मौजूदगी रहे।

सीएसजेएमयू में हुआ मोटिवेशनल प्रोग्राम का आयोजन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में छात्रों के ओरियंटेशन एवं मोटिवेशन प्रोग्राम का आयोजन गुरूवार को किया गया। प्रोग्राम का शुभारम्भ कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया। इस प्रोग्राम में छात्रों के भविष्य की कैरियर सम्बन्धित प्रतियोगिता जैसे आईएएस, एपीसीएसए बैकिंग आदि परीक्षाओं के गुर सिखाए। इस अवसर पर कुलपति ने छात्रों को बताया की किसी भी कठिन परिस्थति में विषय से पलायन करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्रो में नहीं सीखने की धारणा नहीं होनी चाहिए एवं उनके माता पिता भी गुरू की भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की अकदमिक डवलेपमेन्ट सेल ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. वर्षा गुप्त ने किया। इस अवसर पर चीफप्रॉक्टर डॉ. संदीप सिंह, डॉ. आरएन कटियार, डॉ. राशि अग्रवाल, डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा, डॉ. निशा शर्मा, डॉ. वीपी सिंह, डॉ. विशाल चन्द्र, डॉ. विवेक सचान आदि उपस्थित रहे ।

सिविल सेवा की निशुल्क तैयारी कराएगा साएसजएमयू

जागरण संवाददाता, कानपुर : छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय अब सिविल सेवा की तैयारी भी कराएगा। छात्र छात्राओं को आइएएस, आइपीएस, पीसीएस व इनकम टैक्स समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के टिप्स दिए जाएंगे। इसके लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाएंगी। इनमें विवि परिसर के अलावा संबद्ध डिग्री कॉलेजों के छात्र-छात्राएं भी भाग ले सकेंगे। इस संबंध में गुरुवार को एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कक्षाएं साढ़े तीन से साढ़े पांच बजे तक लगेंगी। नए वर्ष से इसका शुभारंभ होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से चलने वाली इन रिमेडियल कक्षाओं में अलग अलग प्रकार के व्याख्यान होंगे। थ्योरी व प्रेक्टिकल दोनों पर फोकस रहेगा। इन कक्षाओं में विषय विशेषज्ञों के अलावा वरिष्ठ अधिकारी छात्र छात्राओं का मार्गदर्शन करेंगे। मोटीवेशनल स्पीकर व शिक्षक अतुल कुमार ने इस दौरान छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के टिप्स दिए। अकादमिक अधिष्ठाता प्रो. संजय स्वर्णकार ने बताया कि यह कक्षाएं निशुल्क लगाई जाएंगी। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार यादव के अलावा डॉ. राशि अग्रवाल, डॉ. विवेक सचान व डॉ. आरएन कटियार समेत अन्य शिक्षक व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

विवि में ओरिएंटेशन व मोटिवेशनल कार्यक्रम से नवागत छात्रों का स्वागत

कानपुर (एसएनबी)। सीएसजेएमयू में वृहस्पतिवार को वृहस्पतिवार को ओरिएंटेशन व मोटिवेशनल कार्यक्रम आयोजित कर नवागत छात्रों का स्वागत किया गया। उद्घाटन विवि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया। इस अवसर पर भविष्य के दृष्टिगत छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। विवि प्रांगण में छात्रों के मार्ग दर्शन के लिए निशुल्क कोचिंग की व्यवस्था भी की गई है।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि छात्रों को किसी भी कठिन परस्थिति में विषय से पलायन नहीं करना चाहिए। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उन्हें मैं कर सकता हूं व मैं करुंगा की भावना से काम करना चाहिए। छात्रों में नहीं सीखने की धारणा नहीं होनी चाहिए। डीन अकादमिक प्रो. संजय स्वर्णकार ने कहा कि ईश्वर ने प्रत्येक व्यक्ति को ऊर्जा व क्षमता प्रदान की है, जिसके माध्यम से वह अपने लक्ष्य तक पहुंच सकता है। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार यादव, डीन छात्र कल्याण प्रो. अंशु यादव, मोटिवेशनल स्पीकर एवं शिक्षक अतुल कुमार, डॉ. अनुपम यादव ने भी छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में नवागत छात्रों के अलावा विवि शिक्षकों ने भागीदारी की।

सीएसजेएमयू में ओरिएंटेशन व मोटिवेशनल कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता व अन्य। फोटो : एसएनबी

CSJMU holds orientation programme

KANPUR (PNS): The orientation and motivation programme for students of CSJM University, Kanpur was inaugurated by Vice Chancellor Prof Neelima Gupta on Thursday. The programme aimed at providing free coaching to students preparing for IAS, PCS, banking entrance examinations.

Speaking on the occasion, Prof Neelima Gupta said it was not good for students to change their mission under pressing circumstances.

She stressed on following two types of thoughts 'I can do this' and 'I will do this'. She said students should avoid learning newer things.

Prof Gupta said parents also played the role of 'guru' of students. She asked the officials to inform her about the requirements of students in performing their activities and directed the officials to upload all the relevant information on university's website to enable students to discuss about their subject with her.

Dean (Academic) Prof Sanjay Swarnkar said, "God has provided energy and capacity to each individual to make them achieve their targets.". Registrar Dr Anil Kumar Yadav described the importance of time management and notes preparing. He advised students to properly utilise their time.

Dean of Students Welfare, Prof Anshu Yadav, highlighted the utility of library and its proper use. Motivational speaker and teacher Atul Kumar spoke about various government jobs and methods to prepare for them. He said the students should write 24 hours' output in their diary before going to bed.

Dr Anupam Yadav stressed on appearing in examinations by evaluating strengths and weaknesses. "Students should appear in exams with proper preparation and should not take it in lighter vein, he added.

The proceedings were conducted by Prof Versha Gupta of Academic Development Cell of the university.

Chief Proctor Dr Sandeep Singh, Dr RN Katiyar, Dr Rashi Agarwal, Dr Sidharth Misra, Dr Nisha Sharma, Dr VP Singh, Dr Vishal Chandra and Dr Vivek Sachan were also present.

MBA ADMISSION

The coordinator of STEP-HBTI, Prof Ram Naresh Tripathi said that admissions to MBA STEP-HBTI, affiliated to Dr APJ Abdul Kalam Technical University, would now be taken directly and those interested could apply for it.

He said as quite a number of seats were lying vacant, it had been decided that students who passed their graduation with 50 per cent marks could directly take admission.

WORKSHOP ON VERMICOMPOSTING

24th -28th September, 2018

ORGANISED BY

DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARJ UNIVERSITY

KANPUR

WORKSHOP ON VERMICOMPOSTING

Module 1 **(5+1 hrs.)**

Introduction of vermicomposting, history of Vermicompost production, present status in India, availability of earth worms for different climate. Importance and need of Vermicompost, Biology and classification of earthworms, Important earthworm's species used in India for vermicomposting.

Module 2 **(5+1 hrs.)**

Selection of site and physical requirements for vermicompost unit. Methods and materials required for vermicomposting

Module 3 **(5+1 hrs.)**

Vermicompost preparation and characteristics; Criteria for harvesting of Vermicompost; Harvesting method of mature Vermicompost and earthworms

Module 4 **(5+1 hrs.)**

Post harvest management of vermicompost; Care and precautions during vermicomposting; Nutrient content in Vermicompost

Module 5 **(5+1 hrs.)**

Basic entrepreneurial activities for small enterprises; Uses of Vermicompost and its cost analysis

NAME	YEAR	ENROL NO	24-Sep	25-Sep	26-Sep	27-Sep	28-Sep
ALPANA NISHAD	B.Sc. 3 Biotechnology	CSJMA16001310008	P	P	P	P	P
ANADIKA AGNIHOTRI	B.Sc. 3 Biotechnology	CSJMA16001310010	P	P	P	P	P
KM AYUSHI SINGH	B.Sc. 3 Biotechnology	CSJMA15001310034	P	P	P	P	P
SAUMYA KATIYAR	B.Sc. 3 Biotechnology	CSJMA16001310063	P	A	P	P	P
SHATAKSHI SHUKLA	B.Sc. 3 Biotechnology	CSJMA16001310067	P	P	P	P	P
TRAPTI GUPTA	B.Sc. 3 Biotechnology	CSJMA16001310081	P	P	P	P	P
UJJWAL DWIVEDI	B.Sc. 3 Biotechnology	CSJMA16001310082	P	P	P	P	P
FARHEEN VASIM	M.Sc. BCH 6	CSJMA14000510738	P	A	P	P	P
ABHILASHA SINGH	M.Sc. MBT 1 year		P	P	P	P	P
AKANKSHA JHA	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350006	P	P	P	P	P
AKANSHA PANDEY	M.Sc. MBT 1 year		P	P	P	P	P
ASHUTOSH PATEL	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350007	P	P	P	P	P
HALDHAR DUBEY	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350008	P	P	P	P	P
HARPREET SINGH	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350009	P	P	P	P	P
IKRAM	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350010	P	A	P	P	P
JULKAR NAIN	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350012	P	P	P	P	P
KAJAL DWIVEDI	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350013	P	P	P	P	P
KISLAY MAURYA	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350014	P	P	P	P	P
KM ROHINI YADAV	M.Sc. MBT 1 year		P	A	P	P	P
KM UMMAI AIMAN SIDDIQUE	M.Sc. MBT 1 year		P	P	P	P	P
KRISHNA KANT DOBEY	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350016	P	P	P	P	P
MERCY SARAL	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350017	P	P	P	P	P
NEHA SINGH	M.Sc. MBT 1 year		P	P	P	P	P
POOJA SINGH	M.Sc. MBT 1 year		P	P	P	P	P
RAJANI SINGH	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350018	P	P	P	P	P
ROZY KHATOON	M.Sc. MBT 1 year		P	P	A	P	P
SHREYA	M.Sc. MBT 1 year		P	P	P	P	P
SHWETA SINGH	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350015	P	P	P	P	P
SONAM MAURYA	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350019	P	A	P	A	P
TANIYA SRIVASTAVA	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350021	P	P	P	P	P
UMESH VISHWAKARMA	M.Sc. MBT 1 year	CSJMA18001350022	P	P	P	P	P
ASHUTOSH UPADHAYAY	M.Sc. MBT 2 year	CSJMA16001350006	P	P	P	P	P
KM ADABHI SRIVASTAVA	M.Sc. MBT 2 year	CSJMA17001350010	P	A	P	P	A
NAMRATA YADAV	M.Sc. MBT 2 year	CSJMA17001350013	P	P	P	P	P
NANCY SINGH	M.Sc. MBT 2 year	CSJMA17001350014	P	P	P	P	P
SHALINI GUPTA	M.Sc. MBT 2 year		A	P	A	P	P
TASEEN AHMAD	M.Sc. MBT 2 year	CSJMA17001350021	P	P	P	P	P
AJAY KUMAR SHARMA	M.Sc. MIC 2 year	CSJMA13000453812	P	P	P	A	P
KALPANA RATHORE	M.Sc. MIC 2 year		P	A	P	P	P
NIKETA YADAV	M.Sc. MIC 2 year	CSJMA17001365028	P	P	P	P	P

- Vermicomposting process relies on earthworms and other microorganisms which help to stabilize active organic materials by converting them to the valuable soil which is nutritionally enriched to support plant growth.

- Earthworms consume most organic materials, which include food residuals, fruits coverings, eatable leftovers, scrap paper, animal manure, agricultural crop residues, organic byproducts from industries, and yard trimmings.

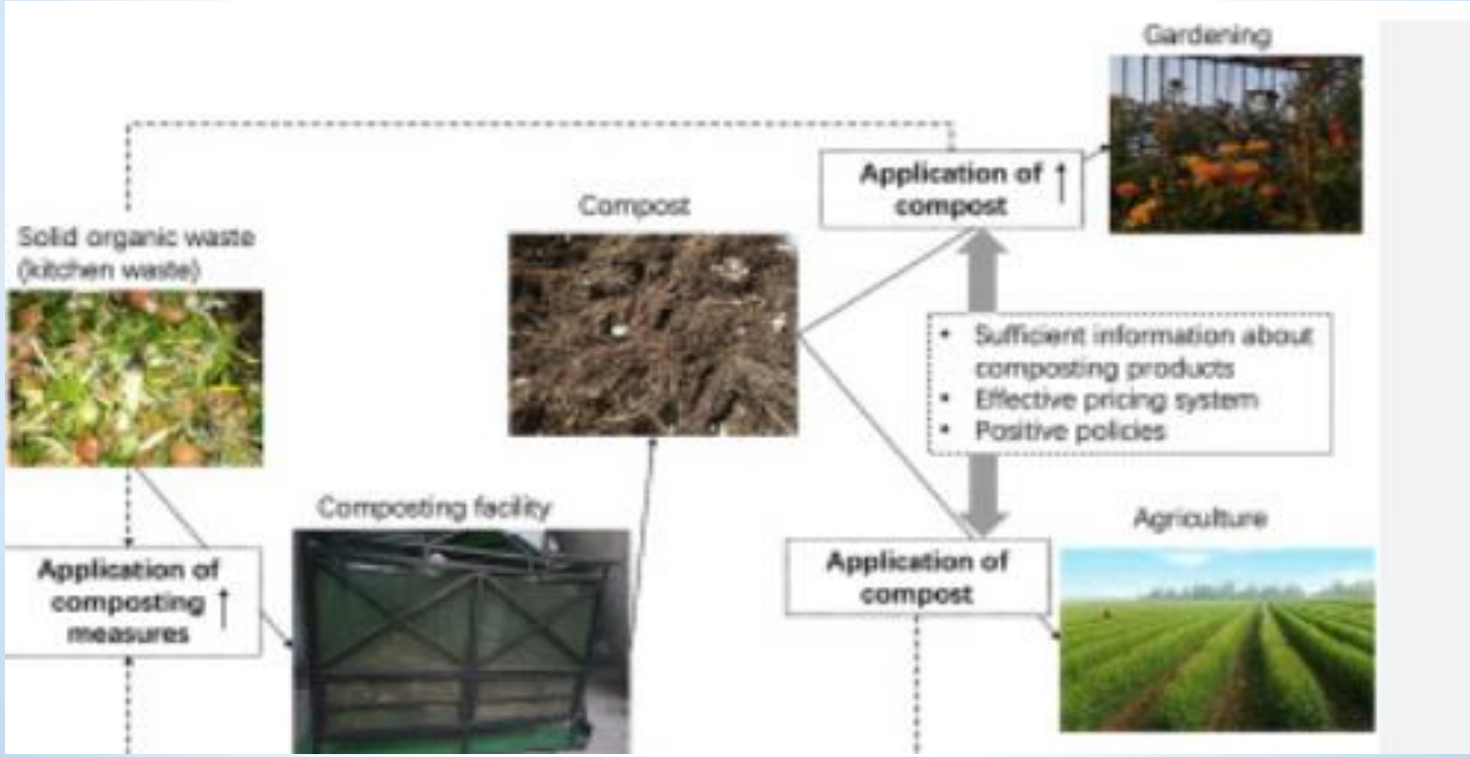

Source: https://www.sciencedirect.com/science/article/abs/pii/S0959652620327591

There are several types of earthworms that are suitable for vermicomposting, which is the process of using worms to convert organic waste into nutrient-rich compost. Here are some of the most commonly used species:

1.Red Wigglers (Eisenia fetida): These are the most commonly used earthworms for vermicomposting. They are well-adapted to consuming organic waste and reproducing quickly.

2.European Nightcrawlers (Eisenia hortensis): These are larger than red wigglers and can tolerate cooler temperatures. They are also good at breaking down organic waste.

3.Indian Blue Worms (Perionyx excavatus): These are tropical earthworms that are well-suited to warm, humid environments. They are efficient at processing organic waste but may not be as hardy as other species.

4.Alabama Jumpers (Amynthas gracilis): These are larger earthworms that are native to the southeastern United States. They are good at aerating soil and breaking down organic matter but may not reproduce as quickly as other species.

When choosing earthworms for vermicomposting, it's important to consider the specific conditions of your composting system, such as temperature, moisture level, and the type of organic waste being processed. Additionally, it's important to source worms from a reputable supplier to ensure that they are healthy and free of disease.

Earthworm Species

- There are known to be 27 species of earthworm in the United Kingdom, and 182 in North America.
- Of all of the earthworms known in North America, over 30 percent of them are introduced.
- The introduction of non-native worms is actually a huge problem, as these worms become invasive and can threaten the balance of natural ecosystems.
- Native worms, on the other hand, are enormously advantageous to our ecosystem and offer numerous benefits to our soils and plants.

Perionyx excavatus

Rhinodrilus alatus

Asian jumping worm

Eudrilus eugeniae

Vermicomposting is a process that uses earthworms to decompose organic matter and produce nutrient-rich compost. Here are the basic steps involved in vermicomposting:

1.Set up a worm bin: The first step in vermicomposting is to set up a container for the worms. A plastic bin with a lid is often used, but other types of containers, such as wooden boxes or old bathtubs, can also work. The container should have drainage holes and be filled with bedding material such as shredded newspaper, coconut coir, or peat moss.
2.Add earthworms: The next step is to add the earthworms to the bin. Red wigglers are the most commonly used species for vermicomposting, but other types of worms may also work. The worms should be added to the bedding material and left to acclimate for a few days.
3.Feed the worms: Once the worms are settled in, it's time to start feeding them. Organic matter such as fruit and vegetable scraps, coffee grounds, and shredded paper can be added to the bin. It's important to avoid adding meat, dairy, or oily foods, as these can attract pests and create unpleasant odors.
4.Maintain the bin: The worm bin should be kept moist but not wet, and the bedding material should be fluffed regularly to provide aeration. It's also important to monitor the temperature of the bin, as worms prefer temperatures between 55-77°F (13-25°C).
5.Harvest the compost: After a few months, the worms will have processed the organic matter into nutrient-rich compost. To harvest the compost, stop adding food to the bin and wait for the worms to migrate to one side. The finished compost can then be removed from the other side of the bin and used in gardens, potted plants, or other applications.
Vermicomposting is an effective and environmentally-friendly way to turn organic waste into a valuable resource. It can be done on a small scale, such as in a backyard or apartment balcony, or on a larger scale for commercial applications.

NIKE

While vermicomposting is a safe and effective way to convert organic waste into nutrient-rich compost, there are some precautions to keep in mind. Here are some tips to ensure safe and successful vermicomposting:

1.Choose a suitable location: Worm bins should be kept in a cool, shaded area away from direct sunlight, rain, and extreme temperatures. They should also be kept out of reach of pets and wildlife, as they may disturb the worms or eat the organic waste.

2.Avoid adding toxic materials: Certain materials can be toxic to worms and may harm their health. Avoid adding materials such as meat, dairy, oily foods, and citrus fruits to the bin, as well as any materials that have been treated with pesticides or chemicals.

3.Maintain the proper moisture level: Worms require a moist environment to survive, but too much moisture can lead to anaerobic conditions and unpleasant odors. Keep the bedding material moist but not wet, and avoid adding too much water at once.

4.Monitor the temperature: Worms prefer temperatures between 55-77°F (13-25°C). If the bin gets too hot or too cold, the worms may become inactive or even die. Consider insulating the bin if you live in an area with extreme temperatures.

5.Harvest the compost carefully: When it's time to harvest the compost, be careful not to harm the worms. Stop adding food to the bin for a few days to encourage the worms to migrate to one side. Then, gently scoop out the finished compost from the other side.

By following these precautions, you can ensure that your vermicomposting system is safe, healthy, and productive.

URLs of the Vermicomposting:

https://biotecharticles.com/Agriculture-Article/Vermiculture-Types-of-Earthworms-and-Applications-3133.html

Vermicomposting - NC State University
composting.ces.ncsu.edu › vermicomposting-2

https://www.youtube.com/watch?v=V8miLevRI_o

https://www.planetnatural.com/composting-101/indoor-composting/vermicomposting/

https://www.youtube.com/watch?v=wZ4n8OFOELU

https://www.youtube.com/watch?v=mc4w3qOBSXw

https://www.youtube.com/watch?v=KJcXVfmu1hA

CSJMU/DBT/VC_____

Certificate of Completion

This is to certify that

_____ has successfully completed the program on Vermicomposting offered by Department of Biotechnology, Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur from 24th to 28th September, 2018. This program has equipped the participant with essential knowledge and skills of vermicomposting.

Dr. Varsha Gupta
Course Director, Biotechnology Dept.
Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur